'बिहार गौरव सम्मान' से कई विभूतियां सम्मानित

पटना (आससे)। बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की जयंती के अवसर पर डॉ. श्रीकृष्ण सिंह फाउंडेशन की ओर से आज बिहार विधानसभा के सभागार में भव्य 'बिहार गौरव सम्मान' समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बिहार के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य अतिथियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षाविदों, चिकित्सकों, युवाओं और विद्यार्थियों ने भाग लिया।



समारोह में बिहार विधानसभा अध्यक्ष श्री प्रेम कुमार, बिहार सरकार के कृषि मंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, योजना आयोग के उपाध्यक्ष श्री देवेश कुमार तथा बिहार सरकार के मंत्री श्री रामकृपाल यादव सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में डॉ. श्रीकृष्ण सिंह फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. सहजानंद सिंह, पद्मश्री डॉ. शांति राय, फाउंडेशन के सचिव श्री शिवाजी चौधरी, मगध कैंसर सेंटर के निदेशक डॉ. रिदु शर्मा, डॉ. निहारिका रॉय तथा डॉ. मृत्युंजय, निदेशक, गृहाम हेल्थकेयर सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर समाज के विभिन्न वर्गों और क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को 'बिहार गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह का उद्देश्य बिहार की प्रतिभाओं, समाजसेवियों तथा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को पहचान दिलाना और उनके कार्यों को प्रोत्साहित करना था।

डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की जयंती पर आयोजित यह कार्यक्रम उनके ऐतिहासिक योगदान, बिहार के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता तथा सामाजिक समरसता की भावना को स्मरण करने का अवसर बना। समारोह में उपस्थित सभी वक्ताओं ने डॉ. श्रीकृष्ण सिंह को श्रद्धापूर्वक याद किया और बिहार के विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान के बारे में उपस्थित लोगों को जानकारी दी।

इस अवसर पर अनुराग इंग्लिश क्लासेज आरा से बड़ी संख्या में विद्यार्थी भी समारोह में शामिल हुए। विद्यार्थियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम में विशेष उत्साह और ऊर्जा का संचार किया।

वक्ताओं ने युवाओं को बिहार की गौरवशाली विरासत से प्रेरणा लेकर शिक्षा, सेवा और विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ने का संदेश दिया।

कार्यक्रम ने बिहार की विविध सामाजिक, सांस्कृतिक और व्यावसायिक प्रतिभाओं को एक मंच पर लाने के साथ-साथ राज्य की गौरवशाली विरासत और विकास की संभावनाओं को रेखांकित किया। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि बिहार के विकास और सामाजिक उत्थान के लिए सामूहिक प्रयासों को और मजबूत करने की आवश्यकता है।

खड़गे की टिप्पणी कांग्रेस की राजनीतिक दिवालियापन का प्रमाण

पटना (आससे)। भाजपा संकुल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सह-संयोजक ऋतुराज सिन्हा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के



खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए इसे कांग्रेस की गिरती राजनीतिक मर्यादा और हताशा का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि चुनावी पराजयों से हताश कांग्रेस अब जनहित के मुद्दों पर बहस करने के बजाय व्यक्तिगत हमलों और अभद्र भाषा का सहारा ले रही है। प्रधानमंत्री के दिवंगत पिता को राजनीतिक बयानबाजी में घसीटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

श्री सिन्हा ने कहा कि अभद्र भाषा तर्क का विकल्प नहीं हो सकती। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार है, लेकिन राजनीतिक मर्यादाओं का सम्मान भी अनिवार्य है। उन्होंने मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस नेतृत्व से इस आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए बिना शर्त माफी मांगने की मांग की।

नीतीश से मेरी कोई दूरी नहीं, जनता मालिक, देगी जवाब : अनंत सिंह

जदयू से निकाले जाने के बाद बोले- नयी पार्टी बना लेंगे

मोकामा (आससे)। मोकामा के विधायक अनंत सिंह को जदयू ने 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है. पार्टी से निकाले जाने के बाद अनंत सिंह ने बड़ा बयान दिया है. अनंत सिंह ने दावा किया है कि वो अपनी पार्टी बना लेंगे. उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें पार्टी से निकाले जाने का कोई गम नहीं है.



जदयू से निकाले जाने के बाद अनंत सिंह ने पार्टी और नीतीश कुमार को लेकर अपनी बात रखी. उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार से उनकी कोई दूरी नहीं है और वह उनकी बुराई कभी नहीं करेंगे. अनंत सिंह ने पार्टी के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि जनता मालिक है और वह अपने तरीके से जवाब देगी. अनंत सिंह ने कहा कि, जो कार्रवाई किया है वो बढ़िया किया है. हमको कोई दिक्कत नहीं है. पार्टी नीतीश जी का था. नीतीश जी खुद रहे है तो पार्टी में कौन योगदान मिला. उन्होंने कहा कि उन्हें जिसने पार्टी से निकाला है उसमें कोई दम नहीं है. नीतीश जी का पार्टी था. नीतीश जी खत्म हो गए, पार्टी भी खत्म हो गया.

अनंत सिंह ने कहा कि जनता ही असली मालिक है और वह हर फैसले का जवाब देगी. उन्होंने कहा, हम गलत हैं तो हमको जनता जवाब देगी. पार्टी गलत है तो पार्टी को जवाब देगी. उन्होंने यह भी कहा कि जनता जिसे सही समझेगी, उसी के अनुसार फैसला करेगी.

आगे की राजनीतिक रणनीति और चुनाव लड़ने के सवाल पर अनंत सिंह ने स्पष्ट जवाब नहीं दिया. उन्होंने कहा कि अभी इस बारे में कुछ कहना जल्दबाजी होगी. जदयू में अपनी भूमिका और भविष्य की संभावनाओं को लेकर उन्होंने पार्टी पर ही फैसला छोड़ने की बात कही. हालांकि उन्होंने अपने अंदाज में कहा कि, वो अपनी पार्टी बना लेंगे.

अनंत सिंह ने कहा कि कुछ अगर पार्टी नहीं है, भविष्य देख रहे हैं. जदयू खत्म है, निकाल ले. इलेक्शन होगा, पता लग जाएगा. प्रधानमंत्री पद, मंत्री पद बैठा ले, पता लग जाएगा. इलेक्शन में 10 सीट भी नहीं आएगा. उन्होंने कहा कि, नीतीश जी से कोई दूरी नहीं है, कोई लड़ाई नहीं है. बीमार रहते हैं. कभी जाकर भेंट करेंगे. कोई दिक्कत नहीं है.

100 पत्रों का जवाब नहीं मिला : सुधाकर सिंह

पटना (आससे)। बिहार की सियासत में राजद सांसद सुधाकर सिंह के एक बयान ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को लिखे करीब 100 पत्रों का जवाब नहीं मिलने और दूसरी ओर पांच करोड़ रुपये का मानहानि नोटिस मिलने पर उन्होंने सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राजद सांसद



ने दावा किया कि उन्होंने भ्रष्टाचार और जनसमस्याओं से जुड़े मुद्दों पर मुख्यमंत्री को करीब 100 पत्र भेजे हैं लेकिन किसी का जवाब नहीं मिला। उन्होंने सवाल उठाया कि जब एक सांसद की बात नहीं सुनी जा रही है तो आम जनता की समस्याओं का समाधान कैसे होता होगा उन्होंने मुख्यमंत्री से पूरे मामले पर जवाब देने की मांग की। सांसद सुधाकर सिंह ने कुंदन कृष्णन की ओर से भेजे गए पांच करोड़ रुपये के मानहानि नोटिस पर भी आपत्ति जताई। भरत तिवारी मामले में हत्या का केस दर्ज होने का हवाला देते हुए उन्होंने नोटिस भेजने के औचित्य पर सवाल उठाया। राजद सांसद ने आरोप लगाया कि विपक्ष में होने के कारण उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। कार्यपालिका और विधायिका की भूमिका का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब दिया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से भ्रष्टाचार और जनसमस्याओं से जुड़े अपने पत्रों पर जवाब देने की मांग की।

महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों को आत्मसात कर ही होगा सुंदर समाज का निर्माण

'वाल्मीकि के राम' विषय पर आयोजित हुआ विमर्श, उमड़ी भीड़

पटना। बिहार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों को आत्मसात करके ही एक सुंदर, समरस और संवेदनशील समाज का निर्माण किया जा सकता है। महर्षि वाल्मीकि की रामायण भारतीय संस्कृति, सामाजिक समरसता और पारिवारिक मर्यादाओं का अमूल्य ग्रंथ है, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी समाज को नैतिक मूल्यों और कर्तव्यबोध की प्रेरणा देता रहेगा।

शिक्षा मंत्री पटना स्थित जगजीवन बाबू शोध संस्थान सभागार में आयोजित 'वाल्मीकि के राम' विषयक विमर्श कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने महर्षि वाल्मीकि की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विरासत की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रामायण केवल एक धार्मिक ग्रंथ



नहीं, बल्कि आदर्श पारिवारिक और सामाजिक जीवन का मार्गदर्शक भी है।

मिथिलेश तिवारी ने कहा कि प्रभु श्रीराम के चरित्र में भाई, पुत्र, पति और पिता जैसे आत्मीय रिश्तों की मर्यादा, दायित्व और आदर्शों का सशक्त चित्रण मिलता है। ये मूल्य भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना को समृद्ध करने के साथ ही नई पीढ़ी को जीवन में नैतिकता, त्याग, कर्तव्य और मानवीय संवेदनाओं का महत्व समझाते हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की वास्तविक शक्ति समाज के सभी वर्गों और समुदायों की सहभागिता में निहित है। वाल्मीकि समाज सहित सभी वर्गों की भागीदारी हमारी साझा विरासत, सामाजिक एकता और समावेशी परंपरा को मजबूत बनाती है।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण के माध्यम से जिस आदर्श पारिवारिक एवं सामाजिक व्यवस्था की परिकल्पना प्रस्तुत की, वह आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। वर्तमान समय में आवश्यकता है कि हम उनके विचारों और आदर्शों को केवल विमर्श तक सीमित न रखें, बल्कि अपने व्यवहार और आचरण में भी उतारें।



रविवार को प्रधानमंत्री के 'मन की बात' सुनते मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी।

कांग्रेस अध्यक्ष से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं : राजीव रंजन प्रसाद

पटना (आससे)। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री राजीव रंजन प्रसाद ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पटना दौरे के दौरान दिए गए बयान पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि समाजवादी विचारधारा जद (यू) की राजनीतिक पहचान और बुनियादी ताकत है। इसके लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से किसी सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है।



उन्होंने कहा कि खरगे जी को दूसरों पर टिप्पणी करने से पहले अपनी पार्टी के इतिहास, वर्तमान और लगातार सिकुड़ते जनाधार का आकलन करना चाहिए। उन्होंने सवाल पूछते हुए कहा कि जिस कांग्रेस को कई राज्यों में अपना सियासी वजूद बचाने के लिए क्षेत्रीय दलों के सहारे की जरूरत पड़ती है, वह जद (यू) की विचारधारा पर सवाल उठाकर आखिर किसे भ्रमित करना चाहती है ?

उन्होंने कहा कि खरगे जी को यह नहीं भूलना चाहिए कि विपक्षी दलों को एक मंच पर लाने एवं राजनीतिक पहल को आकार देने में श्री नीतीश कुमार की निर्णायक भूमिका रही थी। पटना में विपक्षी दलों की बैठक आयोजित कर उन्होंने राष्ट्रीय राजनीति में एक बड़ी पहल की थी। सवाल यह है कि जब इस पहल को आगे बढ़ाने और विपक्षी एकता को मजबूत करने का अवसर आया, तब कांग्रेस की भूमिका कितनी सकारात्मक रही ? गठबंधन की बुनियाद रखने वाले नेता पर सवाल उठाने से पहले कांग्रेस अध्यक्ष को यह भी बताना चाहिए कि उस बुनियाद पर खड़ी इमारत को कमजोर किसने किया ?

महर्षि वाल्मीकि की जीवनी को आत्मसात करे युवा पीढ़ी : संजय सरावगी

पटना (आससे)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में महर्षि वाल्मीकि के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यदि महर्षि वाल्मीकि नहीं होते, तो हम भगवान राम को नहीं जान पाते।

इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि युवा पीढ़ी को महर्षि वाल्मीकि की जीवनी और विचारों को आत्मसात करने के साथ-साथ उनके जीवन पर शोध करने की भी जरूरत है। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि का जीवन पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके आदर्शों को अपनाकर युवा पीढ़ी बेहतर समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

कार्यक्रम के संयोजक राजेश कुमार



वाल्मीकि ने कहा कि वाल्मीकि समाज को सनातन समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने समाज के लोगों से महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों को अपनाने तथा शिक्षा के माध्यम से प्रगति करने का आह्वान किया।

इस मौके पर संजय सरावगी ने अयोध्या के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम पर रखे जाने का उल्लेख किया। उन्होंने इसे वाल्मीकि समाज के पुरोधा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिया गया सम्मान बताया। उन्होंने उज्ज्वला योजना का भी उल्लेख किया।

कार्यक्रम में दीघा विधायक संजीव चौरसिया, विधायक संजय गुप्ता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। मुकेश निषाद ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि सभी के मन में बसे हैं और उनके विचार समाज को सदैव प्रेरित करते रहेंगे।

प्रधानमंत्री पर टिप्पणी दुर्भाग्यपूर्ण : चिराग

पटना (आससे)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई टिप्पणी को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि बिहार सभ्यता और संस्कृति की धरती है। ऐसे में प्रधानमंत्री के प्रति की गई अभद्र टिप्पणी उचित नहीं है। चिराग पासवान ने कहा कि लोकतंत्र में वैचारिक मतभेद और राजनीतिक विरोध स्वाभाविक हैं, लेकिन सार्वजनिक जीवन में भाषा की मर्यादा और पद की गरिमा का सम्मान बनाए रखना आवश्यक है। राजनीति में विरोध नीतियों, विचारों और तथ्यों के आधार पर होना चाहिए, न कि व्यक्तिगत टिप्पणियों के माध्यम से। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती स्वस्थ संवाद, आपसी सम्मान और संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता में निहित है। राजनीतिक मतभेदों के बावजूद सभी नेताओं को सार्वजनिक जीवन की मर्यादा का पालन करना चाहिए। इसकी जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी निशांत मिश्रा ने दी।



बेल्ट्रॉन द्वारा चयनित अभ्यथियों ने की नीतीश कुमार से मुलाकात

5000 के पैनल में शेष बचे 2355 चयनित डाटा एंट्री ऑपरेटरों की शीघ्र नियुक्ति की मांग

पटना (आससे)। बेल्ट्रॉन द्वारा चयनित 5000 के पैनल में शेष बचे 2355 डाटा इन्ट्री ऑपरेटरों के



प्रतिनिधिमंडल ने जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार से उनके 7, सर्कुलर रोड, पटना स्थित आवासीय कार्यालय में मुलाकात की एवं शेष बचे डाटा एंट्री ऑपरेटरों की ज्वाइनिंग शीघ्र कराने की मांग की। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष श्री उमेश सिंह कुशवाहा, बिहार विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता सह विधान पार्षद श्री ललन कुमार सर्राफ एवं मुख्य सचेतक श्री संजय गांधी उपस्थित रहे।

चयनित अभ्यर्थियों ने कहा कि वर्ष 2024 में भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई थी। अप्रैल 2025 में परीक्षा परिणाम जारी होने और मई-जून 2025 में दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद अब तक सभी चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति नहीं हो सकी है। इससे लंबे समय से नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे युवाओं के सामने रोजगार और भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

अभ्यर्थियों ने श्री नीतीश कुमार से आग्रह किया कि उन्हें विभागीय मंत्री के हाथों अविलंब नियुक्ति पत्र मिले और सभी नवनियुक्त अभ्यर्थियों को बिपार्ड द्वारा एक सप्ताह का प्रशिक्षण दिया जाय। वहीं, श्री नीतीश कुमार ने सबकी बातों को गंभीरतापूर्वक सुना और कहा कि वे संबंधित विभाग से आग्रह कर सुनिश्चत करेंगे कि उनकी मांगों पर अविलंब यथोचित कार्रवाई हो।

खड़गे ने कांग्रेस की बढ़ती हताशा का परिचय दिया : संजीव मिश्र

पटना (आससे)। बिहार भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता और एडवोकेट्स एसोसिएशन, पटना हाई कोर्ट के जॉइंट सेक्रेटरी संजीव कुमार मिश्र उर्फ गीता वाले बाबा ने कहा कि कॉंग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दिवंगत पिता स्व. दामोदर दास मूलचंद मोदी पर अभद्र टिप्पणी करके कॉंग्रेस के गिरती साख और बढ़ती हताशा का परिचय दिया है।

भाजपा प्रवक्ता संजीव कुमार मिश्र ने कहा कि कॉंग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे राजनीतिक विरोध में मर्यादा पूर्णत: भूल चुकें हैं । खड़गे नीतियों और विचारों के आधार पर लोकतंत्र में अपनी कॉंग्रेस को स्थापित करने के बजाए अब गाली-गलौज पर उतर गए हैं । जिस कारण कॉंग्रेस की और दुर्गति होनी बाकी है । उन्होंने कहा कि कॉंग्रेस मुक्त भारत होता देख खड़गे बिलबिलाकर व्यक्तिगत टिप्पणी पर उतारू हो गयें हैं । आने वाले दिनों में देश की जनता कॉंग्रेस पूर्णत: रसातल में मिलाकर कर ही छोड़ेंगी।

बिहार सरकार
डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग
पशुपालन ज्ञान
पशुपालक कल्याण

लंपी त्वचा रोग



प्रमुख लक्षण

तेज बुखार • त्वचा पर गांठें • आँख–नाक से पानी • पैर/थन में सूजन • दूध में कमी

क्या करें

- लक्षण दिखते ही पशु अलग करें, जाँच रिपोर्ट की प्रतीक्षा न करें।
- 1962 या नजदीकी सरकारी पशु चिकित्सक को सूचना दें।
- उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में स्वस्थ एवं पात्र पशुओं का टीकाकरण कराएँ।
- गौशाला, डेयरी फार्म, सीमा व पूर्व प्रकोप क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखें।
- पशुशाला साफ रखें तथा मच्छर, मक्खी और किलनी नियंत्रित करें।
- बीमार पशु के चारा–पानी, रस्सी और बर्तन अलग रखें।
- बीमार आवारा गोवंश की सूचना स्थानीय निकाय या पशु चिकित्सालय को दें।
- मृत्यु होने पर सूचना देकर वैज्ञानिक निस्तारण कराएँ।

एफएमडी व जीपीवी टीकाकरण

स्वस्थ पशु में एक ही समय, गर्दन के दोनों ओर अलग–अलग, प्रशिक्षित कर्मी से लगवाएँ

क्या न करें

- बीमार या संदिग्ध पशु को खरीदें बेचें अथवा बाहर न ले जाएँ।
- पशु हाट, मेला, प्रदर्शनी या सामूहिक चराई में न भेजें।
- त्वचा की गांठों को काटें, फोड़ें या जलाएँ नहीं।
- चूना, मिट्टी का तेल या घरेलू पदार्थ घाव पर न लगाएँ।
- सलाह के बिना आइवरमेक्टिन या एंटीबायोटिक का अंधाधुंध उपयोग न करें।
- बीमार पशु का दूध कच्चा न पिएँ और न ही पिलाएँ।
- मृत पशु को खुले स्थान, नदी या तालाब में न फेंकें।
- रोग न छिपाएँ, अफवाह न फैलाएँ और पशु को लावारिस न छोड़ें।

अंधाधुंध दवा न दें

आइवरमेक्टिन व एंटीबायोटिक केवल पशु चिकित्सक की सलाह और आवश्यकता पर दें

PR. No. 014228 (Animal)D. 2026-27

यह रोग मनुष्यों में नहीं फैलता है। घबराएँ नहीं–समय पर सूचना दें।

अधिक जानकारी हेतु स्थानीय पशु चिकित्सालय से संपर्क करें।
विशेष जानकारी हेतु 1962 पर संपर्क किया जा सकता है।

पशुपालन निदेशालय
डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग, बिहार सरकार द्वारा जनहित में प्रचारित

@BiharDFARD

खड़गे की अमर्यादित टिप्पणी कांग्रेस के पतन का प्रमाण : प्रभाकर मिश्रा

पटना (आससे)। भारतीय जनता पार्टी, बिहार प्रदेश के प्रदेश मंत्री श्री प्रभाकर मिश्रा ने पटना में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विरुद्ध की गई कथित अमर्यादित टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह कांग्रेस की हताशा, कुंठा और राजनीतिक संस्कारों के पतन को दर्शाता है।

श्री मिश्रा ने कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक विरोध का सभी को अधिकार है, लेकिन विरोध के नाम पर मर्यादा की सीमाएँ लाँघना और स्वर्गीय परिजनों को राजनीतिक बयानबाजी में घसीटना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। प्रधानमंत्री जैसे संवैधानिक पद की गरिमा का सम्मान करना प्रत्येक राजनीतिक दल की जिम्मेदारी है। राजनीतिक मतभेदों के बावजूद सार्वजनिक जीवन में शालीनता और मर्यादा बनाए रखना आवश्यक है।

नागेंद्र प्रसाद सिन्हा के निधन से मर्माहत नीतीश कुमार ने सम्मान में भिजवाया पार्टी का झंडा एवं पुष्पगुच्छ

पटना (आससे)। पूर्व मुख्यमंत्री एवं जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नीतीश कुमार ने श्री नीतीश कुमार की ओर से भेजे गए पार्टी के झंडे एवं पुष्पगुच्छ को लेकर विधान परिषद में पार्टी के मुख्य



पार्टी के पुराने साथी नागेंद्र प्रसाद सिन्हा के असामयिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। दिवंगत नेता के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए उन्होंने पार्टी का झंडा एवं पुष्पगुच्छ भिजवाया।

सचेतक श्री संजय कुमार उर्फ 'गांधीजी' नागेंद्र प्रसाद सिन्हा के पैतृक गांव केवढ़ा पहुंचे और दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर फुलवारीशरीफ के पार्टी विधायक श्री श्याम रजक, विधान पार्षद श्री रवींद्र प्रसाद सिंह, मसौढ़ी के पार्टी विधायक श्री अरुण मांझी, श्री अरुण कुमार सिंह, जिलाध्यक्ष श्री अशोक कुमार सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि कैंसर से पीड़ित नागेंद्र प्रसाद सिन्हा का लंबी बीमारी के बाद शनिवार को जमशेदपुर स्थित टाटा मेमोरियल अस्पताल में निधन हो गया था। वे लंबे समय से पार्टी से जुड़े हुए थे और संगठन को मजबूत बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। उनके असामयिक निधन को पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए जद (यू) के शीर्ष नेताओं ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।